



साँवरेन गोलड बाँण्ड स्कीम 2023-24

हाल ही में [भारतीय रज़िर्व बैंक](#) के परामर्श से भारत सरकार ने वर्ष 2023-24 के लिये [साँवरेन गोलड बाँण्ड \(SGB\)](#) की कश्तों को जारी करने का नरिणय लया है।

- पहली SGB योजना नवंबर 2015 में सरकार द्वारा [सवरण मुद्रीकरण योजना](#) के तहत शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य भौतिक सोने की मांग को कम करना और घरेलू बचत का एक हसिसा वतित्तीय बचत के रूप में स्थानांतरति करना था ताकतुसे सोने की खरीद के लिये इस्तेमाल कया जा सके।

योजना संबन्धी प्रमुख ववरिण:

वस्तु	ववरिण
जारीकरत्ता	भारत सरकार की ओर से भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा जारी कया जाता है।
पात्रता	SGB की बकिरी नविसी व्यक्तियों, HUF (हदू अवभाजति परिवार), टरस्टों, वशिवदियालयों और धरमारथ संस्थानों के लिये प्रतबिधति होगी।
अवधि	SGB की अवधि 8 वर्ष की होगी, जसिमें 5वें वर्ष के बाद समय से पहले भुनाने का वकिल्प होगा।
न्यूनतम सीमा	न्यूनतम अनुमेय नविश की सीमा एक ग्राम सोना होगा।
अधिकतम सीमा	सदस्यता की अधिकतम सीमा प्रता वतित्तीय वर्ष व्यक्तियों के लिये 4 कलोग्राम, HUF के लिये 4 कलोग्राम और टरस्टों के लिये 20 कलोग्राम तथा धरमारथ संस्थाओं के लिये सरकार द्वारा समय-समय पर अधसूचति (अप्रैल-मार्च) होगी।
संयुक्त धारक	संयुक्त धारक के मामले में 4 कलोग्राम की नविश सीमा पहले आवेदक पर ही लागू होगी।
नरिगमन मूल्य	इंडया बुलयिन एंड ज्वैलरस एसोसिएशन लमिटिड द्वारा प्रकाशति 999 शुद्धता वाले सोने की क्लोजिगि प्राइस के सामान्य औसत के आधार पर SGB की कीमत भारतीय रुपए में तय की जाएगी।
बकिरी के चैनल	SGB अनुसूचति वाणजियकि बैंकों (लघु वतित बैंकों, भुगतान बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर), स्टॉक हालडगि कारपोरेशन ऑफ इंडया लमिटिड (SHCIL), कलियरिगि कारपोरेशन ऑफ इंडया लमिटिड (CCIL) और नामति डाकघरों (जैसा भी अधसूचति कया जाए) तथा मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों अरथात् नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडया लमिटिड एवं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज से सीधे या एजेंटों के जुरयि बेचे जाएंगे।
ब्याज दर	नविशकों को नविश के आरंभिक मूल्य (अंकति मूल्य या घोषति मूल्य) पर 2.50 प्रतशित प्रतविरष की नयित दर पर अरदधवार्षकि रूप से देय होगा।
संपारश्वकि	SGB को ऋणों के लिये संपारश्वकि के रूप में प्रयोग कया जा सकता है।
कर उपचार	आयकर अधनियम, 1961 के उपबंधों के अनुसार, SGB पर ब्याज कर देना होगा। कसिी व्यक्ती को SGB के मोचन से प्राप्त पूंजी लाभ कर पर छूट दी गई है।
व्यापार योग्यता	SGB स्टॉक एक्सचेंजों में व्यापार योग्य होंगे।
SLR पात्रता	केवल ग्रहणाधिकार/बंधक/गरिबी रखने की प्रकरया के माध्यम से बैंकों द्वारा अरजति SGB की गणना सांवाधिकि नकदी अनुपात में की जाएगी।

इंडया बुलयिन एंड ज्वैलरस एसोसिएशन लमिटिड (IBJA):

- IBJA की स्थापना वर्ष 1919 में भारत में सरराफा व्यापारियों के एक संघ के रूप में हुई थी।
- IBJA को भारत में सभी बुलयिन और ज्वैलरी एसोसिएशनों के लिये शीर्ष संघ माना जाता है।
- यह दैनिकि गोलड AM और PM दरें प्रकाशति करता है, जो साँवरेन और बाँण्ड जारी करने के लिये बेंचमारक दरें हैं।
- IBJA प्रदर्शनियों के माध्यम से व्यापार को बढ़ावा देने में शामिल है और अपनाघरेलू गोलड स्पाट एक्सचेंज, बुलयिन रफाइनरी तथा जेम्स एंड ज्वैलरी पार्क स्थापति कर रहा है।
- यह अपने सदस्यों को सरराफा व्यापार को बढ़ावा देने और वनियमति करने, वविादों को हल करने, कीमती धातुओं के मूल्यांकन के लिये एक तटस्थ मंच प्रदान करने तथा सरकारी वभागों के साथ संवाद करने में सहायता करता है।
- IBJA का ज्वावेरी बाज़ार, मुंबई में अपना एक भवन है, जहाँ से यह सरराफा और आभूषण उद्योग संबन्धी वभिन्न व्यावसायकि गतविधियों का संचालन करता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. सरकार की 'संप्रभु स्वर्ण बॉण्ड योजना (Sovereign Gold Bond Scheme)' और 'स्वर्ण मुद्राकरण योजना (Old Monetization Scheme)' का/के उद्देश्य क्या है/हैं? (2016)

1. भारतीय गृहस्थों के पास नषिकरयि पड़े स्वर्ण को अर्थव्यवस्था में लाना ।
2. स्वर्ण एवं आभूषण के क्षेत्र में FDI को प्रोत्साहति करना ।
3. स्वर्ण के आयात पर भारत की नरिभरता में कमी लाना ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सरकार ने वर्ष 2015 में संप्रभु स्वर्ण बॉण्ड योजना (Sovereign Gold Bond Scheme) और स्वर्ण मुद्राकरण योजना (Old Monetization Scheme) की शुरुआत की थी ।
- इन योजनाओं के मुख्य उद्देश्य नमिनलखिति हैं:
- भारत के गृहस्थों और संस्थानों के पास रखे स्वर्ण को अर्थव्यवस्था में लाना । अतः 1 सही है । बैंकों से ऋण पर कच्चे माल के रूप में स्वर्ण उपलब्ध कराकर देश में रतन और आभूषण क्षेत्र को बढ़ावा देना ।
- घरेलू मांग को पूरा करने के लयि समय के साथ स्वर्ण के आयात पर नरिभरता कम करना । अतः 3 सही है ।
- इन योजनाओं का उद्देश्य स्वर्ण और आभूषण क्षेत्र में FDI को बढ़ावा देना नहीं है । अतः 2 सही नहीं है । अतः विकल्प (c) सही उत्तर है ।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sovereign-gold-bond-scheme-2023-24>